कुलसचिव कार्यालय
लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ–226007
(नैक द्वारा ए++ ग्रेड प्रत्यायित)

संदर्भ संख्या :......................................./सम्ब.अनु./2024

दिनांक : ....

सेवा में,

समस्त प्राचार्य/प्राचार्या,
समस्त सहयुक्त महाविद्यालय,
(लखनऊ, रायबरेली, हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर खीरी)
लखनऊ विश्वविद्यालय,लखनऊ।

विषय :– अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम–2024 में प्रतिभाग के सम्बन्ध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि **विद्या भारती शिक्षा संस्थान, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार एवं लखनऊ विश्वविद्यालय** के संयुक्त तत्वाधान में **अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम–2024** का आयोजन **दिनॉक 15 फरवरी से 17 फरवरी 2024** के मध्य लखनऊ विश्वविद्यालय में किया जा रहा है।

सूच्य है कि भारत की शिक्षा प्रणाली को एक व्यापक दृष्टिकोण देने हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की संरचना की गयी जिसके क्रम में सम्पूर्ण भारतवर्ष से विभिन्न केन्द्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों के मा0 कुलपतिगण, निजी विश्वविद्यालयाओं के कुलाधिपति एवं कुलपति, स्वायत्त संस्थानों के निदेशक/प्रमुख/आचार्य एवम् शिक्षाविद प्रतिभाग कर रहे हैं और उनके द्वारा सर्वोत्तम प्रथाओं, बहु विषयक शिक्षा, अकादमिक बैंक ऑफ केडिट, NCRF एवं APAAR संस्थागत नेतृत्व और शासन, HEI में भारतीय ज्ञान प्रणाली का एकीकरण, समग्र शिक्षा के लिए अनुसंधान एवम् नवाचार, संस्थागत सहयोग एवं शैक्षणिक सम्बन्ध, संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व और संस्थागत नेतृत्व के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आदि पर व्याख्यान दिया जायेगा।

अतः इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि **दिनॉक 15 फरवरी से 17 फरवरी 2024 के मध्य आयोजित अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम–2024** हेतु संलग्न विवरणिका में अंकित निर्देशानुसार दिये गये लिंक "https://vbuss.ogs/form/nsil_2024" पर **अपने संस्थान का संस्थागत पंजीकरण कराने एवं उक्त समागम में अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करने का कष्ट करें।**

भवदीय,

(डा0 विनोद कुमार सिंह)
कुलसचिव

संख्या R/104/24 दिनॉक 01/02/2024

प्रतिलिपिः– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निजी सचिव कुलपति को माननीय कुलपति महोदय को सूचनार्थ।
2. कुलानुशासक,ल0वि0वि0।
3. इंचार्ज वेबसाइट लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ को इस अनुरोध के साथ प्रेषित है कि समस्त सम्बन्धित को ई–मेल माध्यम से प्रेषित करने का कष्ट करें।
4. गार्ड फाईल।

कुलसचिव

order committe-

Organised by

विद्या भारती
उच्च शिक्षा संस्थान
Vidya Bharati
Uchcha Shiksha Sansthan

Supported by

लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow

उच्च शिक्षा विभाग
उत्तर प्रदेश सरकार
Higher Education Department
Government of Uttar Pradesh, India

अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम 2024

अंतर संस्थागत विकास पर एक संवाद

15–17 फरवरी, 2024

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

पंजीकरण

- संस्थागत पंजीकरण: 3 प्रतिभागियों के लिए 2000 रुपये
- व्यक्तिगत पंजीकरण: 1000 रुपये

https://bit-ly/NSIL2024 पर पंजीकरण करें

पत्र व्यवहार:

प्रतिनिधि पंजीकरण
प्रो. अखिलेश मिश्र
+919871157187
प्रो. राज किशोर शर्मा
+919918306822

कार्यक्रम समन्वय
प्रो. प्रशांत गुप्ता
+919818580158
डॉ. [illegible]
+919448008146
डॉ. [illegible] मिश्र
+919415956892

प्रतिनिधि समन्वय
प्रो. राकेश द्विवेदी
+919415330895

व्यवस्था प्रबंधन
प्रो. [illegible] कुमार
+919453020000
प्रो. [illegible] सिंह
+917651885901
प्रो. [illegible]
+919415174370

केन्द्रीय कार्यालय
एच–107 ए. सेक्टर– 12, नोएडा गौतम बुद्ध नगर, उ.प्र. 201301

आयोजक

विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान (VBUSS)

विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान भारत में शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित एक स्वैच्छिक संगठन है, जो देश की उच्च शिक्षा में गुणात्मकता की दृष्टि से योग्य नीतियों के निर्धारण और क्रियान्वयन तथा संरचनात्मक सुधारों पर ध्यान केंद्रित करता है। भारतीय ज्ञान, दर्शन और परंपराओं के सिद्धांतों में निहित शिक्षा दर्शन को आधार लेकर VBUSS, प्रख्यात शिक्षाविदों और विद्वानों के नेतृत्व में एक परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में काम करता है। यह संस्थान सक्रिय रूप से उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच संवाद, विमर्श और समन्वय के माध्यम से एक अनुकूल शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 को आत्मसात करने की प्रतिबद्धता के साथ VBUSS सहयोगियों को शामिल करते हुए, नीति सिफारिशें प्रदान करके, नीति के क्रियान्वयन करने में सक्रिय रूप से भाग लेता है। जागरूकता अभियानों और विचार नेतृत्व के माध्यम से VBUSS ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को व्याख्यायित करते हुए शैक्षिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस परिप्रेक्ष्य में अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम प्रस्तावित है।

आयोजन के संदर्भ में महत्वपूर्ण तिथियाँ

पंजीकरण की अंतिम तिथि: 31–01–2024
पंजीकरण की संपुष्टि: 05–02–2024
आइडिया प्रेजेंटेशन की संपुष्टि की अंतिम तिथि: 10–02–2024
सम्मेलन तिथियाँ: 15.02.2024 से 17.02.2024

पंजीकरण

- संस्थागत पंजीकरण: 3 प्रतिभागियों के लिए 2000 रुपये
- व्यक्तिगत पंजीकरण: 1000 रुपये

https://vbuss.org/form/nsil_2024 पर पंजीकरण करें

आयोजक प्रतिभागियों को आवास प्रदान नहीं करेगा। यद्यपि, आयोजक NSIL-2024 के लिए रियायती मूल्य पर अच्छे होटलों में बुकिंग की सुविधा प्रदान करेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय

लखनऊ विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश का एक प्रतिष्ठित सार्वजनिक राज्य विश्वविद्यालय है। भारत के शासकीय वित्तपोषित विश्वविद्यालयों में अग्रणी, लखनऊ विश्वविद्यालय 1867 से सेवा में है। यह उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा राज्य विश्वविद्यालय है। शहर और इसके आस पास फैले हुए 556 महाविद्यालयों और 17 संस्थानों के साथ लखनऊ विश्वविद्यालय एक आवासीय, सहयुक्त, सम्बद्ध और शिक्षण विश्वविद्यालय है। यह पूरे भारत में सबसे प्रतिष्ठित आवासीय विश्वविद्यालयों में से एक है। लखनऊ विश्वविद्यालय के 5 जिलों (लखनऊ, रायबरेली, हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर खीरी) में सम्बद्ध महाविद्यालय हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश का एक मात्र विश्वविद्यालय है जिसे UGC द्वारा उत्कृष्ट शिक्षण और अनुसन्धान के लिए श्रेणी –1 विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता दी गयी है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) से A++ ग्रेड उत्तर प्रदेश में सर्वप्रथम लखनऊ विश्वविद्यालय को ही दिया गया था।

निष्कर्ष

NEP 2020 संस्थानों को परिवर्तन की आधारशिला मानते हुए राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को सबसे महत्वपूर्ण मानती है। मूल्य–संचालित व्यक्तियों के निर्माण व राष्ट्रीय विकास में योगदान देने में शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण है। शिक्षा के स्तम्भ के रूप में संस्थाएं किसी राष्ट्र की प्रगति को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं। इसीलिए हम राष्ट्र निर्माण में संस्थानों की भूमिका के प्रति सचेत रहते हैं, अतः सभी हितधारकों के बीच चरित्र निर्माण, नैतिक नेतृत्व विकास, पर्यावरणीय जिम्मेदारी, प्रभावी शासन, संरचनाओं, सरकारी समर्थन और समावेशी वित्तीय संरचना की व्यावहारिक रणनीतियों पर केंद्रित चर्चा होना चाहिए। ऐसी स्थिति में शैक्षिक लक्ष्य को सामाजिक मूल्यों के साथ जोड़कर संस्थान सकारात्मक परिवर्तन के लिए उत्प्रेरक बन जाते हैं और ऐसे व्यक्तियों का पोषण करते हैं जो न केवल अकादमिक रूप से उत्कृष्ट होते हैं बल्कि एक समृद्ध और सामंजस्यपूर्ण राष्ट्र के लिए आवश्यक सिद्धांतो को भी अपनाते हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम 2024 का आयोजन किया जा रहा है। इस शिखर सम्मेलन के निष्कर्षों को "लखनऊ घोषणा" के रूप में प्रस्तुत किया जायेगा जो HEIs के समन्वय और सहयोग के लिए एक रोडमैप के रुप में सुविधा प्रदान करेगा।

पत्र व्यवहार:

प्रतिनिधि पंजीकरण	कार्यक्रम समन्वय	प्रतिनिधि समन्वय	व्यवस्था प्रबंधन
प्रो. अखिलेश मिश्रा +919871157167 प्रो. राज किशोर शर्मा +918910308822	प्रो. प्रशांत गुप्ता +919818580158 डॉ राजीव निगम +91948008146 प्रो. गीतांजलि मिश्रा +919415956692	प्रो. राकेश द्विवेदी +919415330895	प्रो. रूपेश कुमार +919453020000 प्रो. रजनी रंजन सिंह +917651885901 प्रो. जयशंकर पाण्डेय +919415174370

केन्द्रीय कार्यालय

एच–107 ए, सेक्टर– 12, नोएडा गौतम बुद्ध नगर, उ.प्र. 201301
nsil@vbuss.org | vbheducation@gmail.coms | www.vbuss.org/nsil

Organised by

विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान
Vidya Bharati Uchcha Shiksha Sansthan

लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow

Sup

अखिल भारत
संस्थाग
नेतृत्व सम
2024

अंतर संस्थागत विकास पर ए

15–17 फरवरी, 202
लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ,

पृष्ठभूमि

हम भारत के शिक्षा क्षेत्र में एक बड़े कदम और एक प्रणालीगत परिवर्तन के साक्षी बन रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने हमें उत्साह व बड़ी जिम्मेदारियों के साथ एक व्यापक परिदृश्य से परिचित कराया है। वर्तमान समय की शिक्षा समग्र संस्थागत विकास लाने की दिशा में अधिक संतुलित दृष्टिकोण की मांग करती है। हमारे संस्थानों में नवाचार एवं नयी पहल ही सतत और समग्र विकास की कुंजी है। अब समय आ गया है कि हम विकास के इस पथ पर सबको सहयात्री समझें। हमें ज्ञान आधारित समाज बनाने में सहयोग और समन्वय की आवश्यकता है। जिससे हम इस ज्ञान समाज के एक घटक के रूप में प्रतिस्पर्धा के आधार पर नहीं, बल्कि सहयोग और सद्भाव के साथ उत्कृष्टता की ओर अग्रसर होते रहे।

जीवन वही है जो दूसरों के लिए जिया जाता है, अन्यथा का जीवन मृत्यु सदृश्य है।

—स्वामी विवेकानन्द

हमारी सामूहिक शक्तियों और विशेषताओं का लाभ उठाने के लिए, शैक्षणिक संस्थानों के नेतृत्वकर्ताओं के लिए एक राष्ट्रीय शिखर सम्मलेन नियोजित है। विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान इस समुदाय से सम्बंधित संस्थागत प्रमुखों और पथ प्रदर्शकों के लिए एक मंच स्थापित करना चाहता है। एक ऐसा मंच जहां विद्वतजन संस्थानों और शिक्षा प्रणाली के सामूहिक विकास के लिए विचार, ज्ञान, सर्वोत्तम प्रथाओं, सहकर्मी शिक्षा संस्थाओं के आदर्शों और प्रारूपों का आदान – प्रदान करें जिससे कि हम सब मिलकर एक ज्ञान आधारित समाज के पुनरोत्थान के लिए कार्य कर सकें।

औचित्य

VBUSS शिक्षा प्रणाली में सहयात्री के तौर पर कार्य करने में विश्वास करता है। यहां सहयात्री शब्द का तात्पर्य भारत में शिक्षाविदों और शैक्षणिक संस्थानों से है, और इसके माध्यम से हम अपने संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक व्यक्ति के रूप में समुदाय का एक बड़ा दायरा बनाएंगे। हेनरी फोर्ड के अनुसार "एक साथ आना शुरुआत है, साथ रहना प्रगति है, साथ कार्य करना सफलता है।" ऋग्वेद में कहा गया है–

समानि वा आकूतिः समाना हृदयानि वः।
समानमस्तु वो मनो यथा वः सुसहति।।

अर्थात हमारा उद्देश्य एक हो, हमारी भावनायें सुसंगत हो। हमारा विचार संयोजन हो। इस प्रेरणा के साथ संस्थागत नेतृत्व कर्ताओं के इस त्रि–दिवसीय समागम में शिक्षा क्षेत्र की बड़ी चिंताओं को सम्बोधित करते हुए आम सहमति विकसित करने तथा इस दिशा में एक प्रभावी कार्य योजना तैयार करते हुए सहयोग की विभिन्न सम्भावनाओं के साथ आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे।

अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम 2024 (NSIL-2024) के उद्देश्य

- संस्थागत विकास में शैक्षणिक संस्थानों के बीच संभावित सहयोग का पता लगाना
- शैक्षणिक संस्थानों में विकास सम्बन्धी अवरोधकों की पहचान करना तथा समाधान प्राप्त करने योग्य लक्ष्यों की सिफारिश करना
- तालमेल का लाभ उठाना और राष्ट्रीय विकास के लिए एक सामंजस्यपूर्ण प्रारूप विकसित करना
- एक समान मुद्दों और चिंताओं को सम्बोधित करने के लिए एक मंच प्रदान करना
- समग्र, स्थायी एवमं वृहद लक्ष्य के लिए मार्ग का पता लगाना और सामूहिक प्रयासों में संलग्न होना
- समान विचारधारा वाले 'सहयत्रियों' का एक समागम स्थापित करना और अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक संवाद विकसित करना
- सामाजिक आवश्यकताओं और सामुदायिक विकास के साथ अपने घोषणा पत्र की पुनः परिकल्पना व पुनर्रचना करना

एन एस आई एल 2024 का मूल विषय: "राष्ट्रीय विकास के संस्थान"

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) एक परिवर्तनकारी अभिलेख है जो देश की शिक्षा प्रणाली के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की रूपरेखा तैयार करती है। इस दृष्टिकोण के केंद्र में देश के भविष्य को आकार देने में शैक्षणिक संस्थानों द्वारा निर्वाह की जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका की मान्यता निहित है।

शैक्षणिक संस्थान किसी राष्ट्र की संरचना को आकार देकर, उसके विकास, और प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। राष्ट्र–निर्माण के प्रयास में, शैक्षणिक संस्थान मूल्य–संचालित व्यक्तियों को विकसित करने, चरित्र निर्माण को बढ़ावा देने, नैतिक नेतृत्व का पोषण करने और सामाजिक दायित्व की भावना उत्पन्न करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं।

इस संकल्पना पत्र का उद्देश्य NEP के ढांचे के भीतर राष्ट्र निर्माण में एक मजबूत शासन संरचना, सरकारी समर्थन और समावेशी प्रथाओं के महत्व को सम्बोधित करते हुए संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका का पता लगाना और उस पर बल देते हुए नीति और नैतिकता को आकार देने में संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करना है।

NSIL-2024 में मुख्यतः निम्नलिखित विषयों पर विचार विमर्श होगा:

1. बहुविषयात्मक शिक्षा (Multidisciplinary Education)
2. एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट, NCrF एवं APAAR
3. संस्थागत नेतृत्व एवं शासन
4. उच्च शिक्षा संस्थानों में भारतीय ज्ञान प्रणाली का समावेशन
5. समग्र शिक्षा के लिए अनुसन्धान एवं नवाचार
6. संस्थागत सहयोग एवं शैक्षणिक सम्बन्ध
7. संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व
8. उच्च शिक्षा संस्थानों में सामाजिक आर्थिक वंचित वर्ग (SEDGs)
9. HEIs की रैंकिंग और मान्यता
10. भारतीय HEIs@2047
11. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच

NSIL-2024 में "विचार विनिमय" पर एक सत्र भी होगा जहाँ भाग लेने वाले संस्थानों को NEP-2020 क्रियान्वयन के सम्बन्ध में अपनी सर्वोत्तम प्रथाओं और सफल मॉडल को साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा। इच्छुक संस्थानों से अनुरोध है कि वे पहले से ही ईमेल nsil@vbuss-org के माध्यम से आयोजक को अपनी प्रस्तुति प्रेषित करें।

NSIL-2024 में अपेक्षित प्रतिभागी

देश भर के निजी विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति, कुलपति, केन्द्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति, निजी उच्च शिक्षण संस्थानों के संस्थापक, प्रबन्धक एवं महाविद्यालय के प्राचार्य, स्वायत्त संस्थानों के निदेशक जो हमारे समान आदर्शों और लक्ष्यों के लिए कार्य कर रहे हैं, कोई भी संस्थान जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को आत्मसात करने की भावना के साथ काम कर रहा है और भारत को एक ज्ञान समाज के रूप में बढ़ावा देने और स्थापित करने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रहा हैं, वह इसमें भाग ले सकता है। शिखर सम्मेलन में भागीदारी केवल आमंत्रण के माध्यम से ही हो सकती है।

वांछित परिणाम

अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम 2024 में संस्थानों के बीच संवाद को मजबूत करने की घोषणा की परिकल्पना की गयी है। अर्थात राष्ट्रीय विकास के लिए संस्थानों के बीच संवाद के लिए यह एक बड़ा मंच साबित होगा।